19 दिसम्बर 2022

कमोडिटी मार्केट रिपोर्ट

smc
Moneywise. Be wise.

प्रमुख खबरें

- केंद्र ने घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर विंडफॉल कर को 4,900 रुपये प्रति टन से घटाकर 1,700 रुपये प्रति टन कर दिया है, जबकि एविएशन टर्बाइन फ्यूल पर 5 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 1.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया है।
- नवंबर माह में थोक मूल्य मुद्रास्फीति 21 महीने के निचले स्तर पर पहुंच गई है और इस साल अक्टूबर के 8.39 से घटकर 5.85 प्रतिशत हो गई है, भारत की प्रमुख खुदरा मुद्रास्फीति की दर अक्टूबर के 6.77 प्रतिशत से नवंबर में 11 महीने के निचले स्तर 5.88 प्रतिशत पर आ गई है।
- सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, नवंबर में भारत के निर्यात में 31.99 अरब डॉलर की सपाट वृद्धि दर्ज की, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 31.8 अरब डॉलर था। नवंबर में आयात मामूली रूप से बढ़कर 55.88 अरब डॉलर हो गया, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 53.93 अरब डॉलर था।
- सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अनुसार नवंबर में भारत का खाद्य तेल आयात 34 प्रतिशत बढ़कर 15.29 लाख टन हो गया।
- भारतीय खाद्य निगम के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, मौजूदा खरीफ बाजार सीजन 2022-23 में 11 दिसंबर तक केंद्रीय पूल के लिए धान की खरीद पिछले वर्ष के 33.62 मिलियन टन की तुलना में 13% बढ़कर 38.06 मिलियन टन हो गई है।
- नवंबर में भारतीय स्टील निर्यात साल-दर-साल 53 प्रतिशत (कम होकर 3,38,000 टन रह गया। इस्पात मंत्रालय के अनुसार तैयार स्टील का उत्पादन अक्टूबर के 99 लाख टन के मुकाबले नवंबर में 5 प्रतिशत घटकर 95 लाख टन रह गया।
- नवंबर में चीन का प्राथमिक एल्युमीनियम उत्पादन एक साल पहले की तुलना में 9.4% बढ़ गया।
- भारत ने नवंबर में रूस से रिकॉर्ड 1.7 मिलियन बैरल प्रति दिन कच्चे तेल का आयात किया है।
- राज्य के स्वामित्व वाले चिली के कॉपर कमीशन (कोचिल्को) ने अधिक आपूर्ति के कारण 2023 में तांबे की कीमत के अनुमान को घटाकर 3.70 डॉलर प्रति पाउंड कर दिया।

NCDEX में सबसे अधिक बढ़ने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	09.12.22	15.12.22	बदलाव (%)
हल्दी	7046.00	7462.00	5.90%
कॉटनऑयलसीडकेक	2737.00	2872.00	4.93%
जीरा	26200.00	27370.00	4.47%
धान	4159.00	4229.00	1.68%
कैस्टरसीड	7448.00	7512.00	0.86%

MCX में सबसे अधिक बढ़ने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	09.12.22	15.12.22	बदलाव (%)
नेचुरल गैस	508.70	576.80	13.39%
कच्चा तेल	5876.00	6386.00	8.68%
मेंथा ऑयल	985.40	1016.50	3.16%
सोना गिनी	43457.00	43490.00	0.08%

NCDEX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	09.12.22	15.12.22	बदलाव (%)
ग्वारगम	12833.00	12205.00	-4.89%
स्टील	47070.00	45450.00	-3.44%
जौ	3193.50	3128.00	-2.05%
सीसेम सीड	16835.00	16515.00	-1.90%
धनिया	8840.00	8706.00	-1.52%

MCX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	09.12.22	15.12.22	बदलाव (%)
निकल	2600.00	2401.30	-7.64%
एल्युमीनियम	214.15	210.10	-1.89%
कॉटन	31500.00	31150.00	-1.11%
तांबा	706.40	702.25	-0.59%
सोना	54295.00	54107.00	-0.35%

साप्ताहिक समीक्षा

सीआरबी इंडेक्स में निचले स्तर की खरीददारी हुई और यह 300 के स्तर के करीब बंद हुआ। कॉमेक्स में सोने और चांदी की कीमतों के कई महीने के उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद तेजी में ठहराव देखा गया क्योंकि फेड ने ब्याज दर में 50 बेसिस प्वाइंट की वृद्धि की और मुद्रास्फीति का मुकाबला करने के लिए इसे बनाए रखने के लिए आक्रामक रूख का संकेत किया। आश्चर्यजनक यह है कि आक्रामक टिप्पणी के बावजूद, डॉलर इंडेक्स ने आक्रामक रूप से प्रतिक्रिया नहीं की, लेकिन इसने बाद में अपने कुछ साप्ताहिक गिरावट की भरपायी की। बढ़ती ब्याज दरें इस साल सोने के बाजारों के लिए सबसे बड़ी बाधा थीं, क्योंकि इसने गैर-यील्ड वाली संपत्ति रखने की अवसर लागत को बढ़ा दिया। बुधवार की दर वृद्धि के साथ, फेड ने इस वर्ष अपनी बेंचमार्क दर में 425 बेसिस प्वाइंट की वृद्धि की है, जो 2008 के वित्तीय संकट के बाद से सबसे अधिक है। एमसीएक्स पर सर्राफा के लिए अलग कहानी रही, तेज मुनाफावसूली के बावजूद दोनों ही बढ़त के साथ बंद हुए। चीन की अर्थव्यवस्था के फिर से खुलने को लेकर जारी अनिश्चितता के बीच बेस मेटल की कीमतें उच्च स्तर पर बने रहने में असमर्थ रही। यद्यपि चीन ने इस महीने कई कोविड-रोधी उपायों में ढील दी, लेकिन यह संक्रमणों में एक बड़ी वृद्धि का सामना कर रहा है- इतना कि सरकार ने कहा कि अब वायरस के प्रसार को ट्रैक करना असंभव है। चीन के कमजोर औद्योगिक उत्पादन ने बाजार पर अधिक दबाव डाला। एनर्जी में जोरदार तेजी दर्ज की गई । विशेष रूप से नेचुरल गैस में। चार वर्षों में पहला संभावित ध्रुवीय वर्टेक्स सिर्फ एक सप्ताह दूर हो सकता है, लेकिन नेचुरल गैस अभी से ही बुधवार को बिकवाली मोड में वापस आ गई है, जिसमें कारोबारी मुनाफा वसूली कर रहे हैं और पिछले पांच सत्रों में लगभग 30% उछल चुके बाजार में गिरावट लाने का प्रयास कर रहे हैं। आखिरी ध्रुवीय वर्टेक्स 2014 में हुआ था। मौसम आंकड़ों के अनुसार पहले भी इसी तरह के ठंड के प्रकोप दिखाई दिए हैं, जिसमें 1977, 1982, 1985 और 1989 में कई उल्लेखनीय ठंड शामिल हैं। कुल मिलाकर भंडार में वृद्धि के बावजूद यह बढ़त के साथ बंद हुआ। ओपेक और अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) द्वारा अगले वर्ष के दौरान मांग में रिकवरी का अनुमान लगाने के बाद तेल की कीमतें स्थिर हो गई। ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें बैकवॉर्डेशन में आ गई जिससे पता चलता है कि अधिक आपूर्ति के बारे में चिंताएं कम हो रही हैं। ओपेक ने कहा कि उसे उम्मीद है कि तेल की मांग अगले साल 2.25 मिलियन बैरल प्रति दिन बढ़कर 101.8 मिलियन बैरल प्रति दिन हो जाएगी।

कृषि क्षेत्र में, मेंथा ऑयल की कीमतें वॉल्यूम में उछाल के साथ अपने दो सप्ताह के उच्च स्तर पर पहुंच कर कारोबारियों को चौंका दिया। नयी आवक के कारण कैस्टर की तेजी में ठहराव देखा गया। नयी खरीददारी के कारण धनिया की कीमतों ने निचले स्तर से उबरने की कोशिश की लेकिन साप्ताहिक स्तर पर कीमतें गिरावट के साथ बंद हुई। वर्ष 2022 में 12 दिसंबर तक गुजरात में धनिया का क्षेत्रफल 2.07 लाख हेक्टेयर दर्ज किया गया, जबकि पिछले वर्ष समान अवधि यह 1.08 लाख हेक्टेयर था, जो साल-दर-साल 92% अधिक है। हल्दी ने पिछले सप्ताह जोरदार बढ़त दर्ज की जबकि जीरा की कीमतों में लगातार तीसरे सप्ताह बढ़त जारी रखी। ग्वार की कीमतों में अधिक गिरावट हुई। मौजूदा बुवाई गतिविधियां कीमतों के लिए प्रमुख कारक होंगी क्योंकि प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण गुजरात में जीरा का रकबा कम हो गया है।

हाजिर कीमतें

कमोडिटी	स्थान	09.12.22	16.12.22	(%)
जौ	जयपुर	3187.10	3125.00	-1.95%
चना	दिल्ली	5149.95	5149.90	0.00%
धनिया	कोटा	9435.00	8991.65	-4.70%
क्रूड पॉम ऑयल	कांडला	852.80	853.80	0.12%
गुड़	मुजफ्फरपुर	1161.00	1149.00	-1.03%
ग्वारसीड	जोधपुर	5999.00	5917.00	-1.37%
ग्वारगम	जोधपुर	12822.00	12543.00	-2.18%
जीरा	ऊंझा	25355.50	26799.00	5.69%
सरसों	जयपुर	6736.05	6706.60	-0.44%
रिफाइंड सोया तेल	मुंबई	1232.50	1237.50	0.41%
सोयाबीन	इंदौर	5672.30	5655.95	-0.29%
हल्दी	निजामाबाद	7230.40	7430.50	2.77%
गेहूं	दिल्ली	2897.40	2900.00	0.09%
कॉटन	कड़ी	31908.40	31552.30	-1.12%
कॉटनऑयलसीडकेक	अकोला	2937.35	2934.10	-0.11%

LME/ COMEX/ NYMEX में धातुओं की कीमत (डॉलर में)

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	09.12.22	15.12.22	बदलाव(%)
एल्युमीनियम	LME	नकद	2480.50	2384.00	-3.89%
तांबा	LME	नकद	8543.00	8293.50	-2.92%
लेड	LME	नकद	2199.50	2153.00	-2.11%
निकल	LME	नकद	29433.00	28311.00	-3.81%
जिंक	LME	नकद	3240.50	3160.00	-2.48%
सोना	COMEX	जनवरी	1803.50	1780.60	-1.27%
चांदी	COMEX	जनवरी	25.34	23.14	-8.68%
लाइट क्रूड	NYMEX	जनवरी	71.02	76.11	7.17%
नेचुरल गैस	NYMEX	जनवरी	6.25	6.97	11.52%

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमोडिटी की कीमतें

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	09.12.22	15.12.22	बदलाव (%)
सोयाबीन	CBOT	मार्च	14.83	14.73	-0.67%
सोया तेल	CBOT	मार्च	60.01	62.98	4.95%
कॉटन	ICE	मार्च	80.95	81.03	0.10%
सीपीओ	BMD	फरवरी	3,995.00	3,878.00	-2.93%

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (NCDEX)

कमोडिटी	यूनिट	08.12.22 क्वांटिटी	15.12.22 क्वांटिटी	अंतर
बाजरा	मी.टन	881	881	0
कैस्टर सीड	मी.टन	0	0	0
चना	मी.टन	13479	14468	989
धनिया	मी.टन	2107	2985	878
कॉटनऑयलसीडकेक	मी.टन	0	0	0
ग्वारगम	मी.टन	13838	14343	505
ग्वारसीड	मी.टन	10291	8409	-1882
जीरा	मी.टन	3150	2869	-281
मक्का	मी.टन	1226	1223	-3
सोयाबीन	मी.टन	0	0	0
हल्दी	मी.टन	648	438	-210

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (MCX)

कमोडिटी	यूनिट	09.12.22 क्वांटिटी	15.12.22 क्वांटिटी	अंतर
एल्युमीनियम	मी.टन	2544	1991	-553
तांबा	मी.टन	3263300	2718125	-545175
सोना	किग्रा	470	470	0
सोना मिनी	किग्रा	13472	13472	0
सोना गिनी	किग्रा	141000	140900	-100
लेड	किग्रा	413	413	0
चांदी (30 किग्रा बार)	किग्रा	162564	162564	0
चांदी एम	किग्रा	40936	40936	0
जिंक	मी.टन	2558	2267	-292

LME में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति(टन में)

कमोडिटी	स्टॉक की स्थिति 09.12.22	स्टॉक की स्थिति 15.12.22	अंतर
एल्युमीनियम	477425	489300	11875.00
तांबा	87375	85525	-1850.00
निकल	52524	53334	810.00
लेड	23750	24350	600.00
जिंक	38400	36625	-1775.00

ट्रेंड शीट

एक्सचेंज	कमोडिटी	कांट्रेक्ट	बंद* भाव	ट्रेंड बदलाव की तिथि	ट्रेंड	भाव के ट्रेंड में बदलाव	सपोर्ट	रेजिस्टेंस	क्लोजिंग स्टॉप लास
NCDEX	जीरा	जनवरी	27645.00	29.11.22	तेजी	24600.00	26200.00	-	26000.00
NCDEX	**हल्दी**	**जनवरी**	**8420.00**	**13.12.22**	**तेजी**	**7900.00**	**7900.00**	**-**	**7850.00**
NCDEX	ग्वारसीड	जनवरी	6007.00	10.11.22	तेजी	5183.00	5830.00	-	5800.00
NCDEX	**कैस्टरसीड**	**जनवरी**	**7388.00**	**12.12.22**	**मंदी**	**7500.00**	**-**	**7560.00**	**7600.00**
NCDEX	स्टील लांग	जनवरी	46050.00	25.08.2022	मंदी	50200.00	-	47550.00	47600.00
NCDEX	कॉटनऑयलसीडकेक	जनवरी	2716.00	03.10.22	तेजी	2300.00	2620.00	-	2600.00
MCX	कॉटन	दिसम्बर	31150.00	10.11.22	तेजी	33140.00	30120.00	-	30000.00
MCX	**मेंथा ऑयल**	**दिसम्बर**	**1016.00**	**14.12.22**	**तेजी**	**995.00**	**980.00**	**-**	**975.00**
MCX	बुलडेक्स	दिसम्बर	15121.00	10.11.22	तेजी	14545.00	14850.00	-	14800.00
MCX	चांदी	मार्च	67818.00	10.11.22	तेजी	61911.00	65200.00	-	65000.00
MCX	सोना	फरवरी	54107.00	10.11.22	तेजी	52109.00	53400.00	-	53350.00
MCX	मेटलडेक्स	दिसम्बर	18183.00	23.06.22	साइडवेज	1796.30	17500.00	18700.00	-
MCX	**तांबा**	**दिसम्बर**	**702.25**	**15.12.22**	**मंदी**	**702.00**	**-**	**718.00**	**720.00**
MCX	**लेड**	**दिसम्बर**	**185.25**	**15.12.22**	**साइडवेज**	**185.50**	**180.00**	**190.00**	**-**
MCX	**जिंक**	**दिसम्बर**	**280.60**	**14.12.22**	**मंदी**	**286.00**	**-**	**293.00**	**295.00**
MCX	**एल्युमिनियम**	**दिसम्बर**	**210.10**	**14.12.22**	**मंदी**	**212.00**	**-**	**218.50**	**220.00**
MCX	कच्चा तेल	जनवरी	6410.00	14.11.22	मंदी	7250.00	-	6800.00	6850.00
MCX	**नेचुरल गैस**	**दिसम्बर**	**576.80**	**14.12.22**	**साइडवेज**	**550.00**	**480.00**	**580.00**	**-**

*15/12/2022 का बंद भाव

नाट: 1. कभी-कभी आप पाओगे कि स्टॉप लॉस बहुत अधिक है लेकिन यदि हम स्टॉप लॉस को एक बार बदल दें तो हमें कमोडिटी में मजबूती आती दिखेगी ।उस स्थिति में स्टॉप लॉस अधिक होगा क्योंकि हम सप्ताहिक आधार पर ग्राफ को देखते है और लम्बे समय तक के रूझानों को लेते है।

2. इस सप्ताहिक ट्रेंड का मिलान रोजाना के ट्रेंड से नहीं किया जाना चाहिए जिसे प्रतिदिन सुबह को मार्निंग रिपोर्ट के नाम से ई मेल किया जाता है।

टेक्निकल सुझाव

सोना (फरवरी) एमसीएक्स

सोना (फरवरी) एमसीएक्स **उच्चस्तर: 55047.00** **निचला स्तर: 53040.00**

एमसीएक्स में सोना (फरवरी) कॉन्ट्रैक्ट 15 दिसम्बर 2022 को 5968.00 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 53757.86 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 59.800 है। दोनों ही इंडिकेटर बिकवाली का संकेत दे रहे हैं।

54700.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 53200.00 रू के टारगेट के लिए 54200.00 रू के नजदीक बिकवाली की जा सकती है।

जीरा (जनवरी) एनसीडीईएक्स

जीरा (जनवरी) एनसीडीईएक्स **उच्च स्तर: 27840.00** **निचला स्तर: 24920.00**

एनसीडीईएक्स में जीरा (जनवरी) कॉन्ट्रैक्ट 15 दिसम्बर 2022 को 27645.00 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 26202.00 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 69.745 है। दोनों ही इंडिकेटर बिकवाली का संकेत दे रहे हैं।

27900.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 26000.00 रू के टारगेट के लिए 27300.00 रू के नजदीक बिकवाली की जा सकती है।

लेड (दिसम्बर) एमसीएक्स

लेड (दिसम्बर) एमसीएक्स **उच्च स्तर: 187.25** **निचला स्तर: 183.95**

एमसीएक्स में लेड (दिसम्बर)कॉन्ट्रैक्ट 15 दिसम्बर 2022 को 185.25 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 184.80 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 56.516 है। दोनों ही इंडिकेटर बिकवाली का संकेत दे रहे हैं।

192.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 174.00 रू के टारगेट के लिए 186.00 रू के नजदीक बिकवाली की जा सकती है।

अगले सप्ताह में बाजार का रुख

मसाले

हाजिर बाजार में आपूर्ति घटने के बाद पिछले सप्ताह हल्दी की कीमतों में तेजी दर्ज की गई। हल्दी की निर्यात मांग अच्छी रही है जिससे बाजार के सेंटीमेंट में मजबूती देखी जा रही है। आवक समाप्त होने के सीजन के कारण आपूर्ति कम हो गई है और प्रमुख व्यापारिक केंद्रों पर स्टॉक कम हो गया है, जिससे मिलों को भविष्य की आवश्यकता को पूरा करने के लिए खरीदारी करने के लिए बढ़ावा मिला है। दिसंबर 22 में अब तक लगभग 3.87 हजार टन हल्दी की आवक दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष के 10.25 हजार टन की तुलना में साल-दर-साल 62% कम है। जब तक नई फसल बाजार में नहीं आएगी तब तक आपूर्ति कम रहेगी। बुआई के हाल के आंकड़ों से पता चलता है कि रकबे में गिरावट के कारण आने वाले वर्ष में हल्दी का उत्पादन कम रहने की संभावना है। वर्ष 2022 में निर्यात मांग अच्छी रही है क्योंकि भारत ने जनवरी-22-अक्टूबर-22 के दौरान लगभग 99 हजार टन हल्दी का निर्यात किया था जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 89 हजार टन निर्यात हुआ था। हल्दी वायदा(अप्रैल) की कीमतों को 8000 पर समर्थन रहने की संभावना है और निकट भविष्य में 8900 की ओर बढ़ सकती है।

आपूर्ति में कमी के कारण जीरा (जनवरी)वायदा की कीमतों में पिछले सप्ताह तेजी बरकरार रही । बांग्लादेश और चीन से उभरती निर्यात मांग के कारण कीमतों को मदद मिली। आगामी सीजन में कमजोर उत्पादन अनुमान के कारण भी जीरे की कीमतों में तेजी जारी रहने की उम्मीद है। 12 दिसंबर 22 तक गुजरात में पिछले वर्ष के 2.37 लाख हेक्टेयर की तुलना में लगभग 2.24 लाख हेक्टेयर में जीरे की बुवाई की गई, जो साल-दर-साल 5% कम है। जीरा में कुछ मुनाफावसूली देखी जा सकती है क्योंकि कीमतों में हाल ही में बढ़त के बाद स्टॉकिस्टों ने अपने स्टॉक जारी करना शुरू कर दिया है। अधिक कीमतों के कारण छोटे खरीदार थोक खरीद से दूर हैं। लेकिन जीरा के कमजोर उत्पादन अनुमान के कारण मुख्य रूझान तेजी का है। जीरा की कीमतों को 26800-27800 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

बेहतर आपूर्ति की संभावना धनिया (जनवरी) वायदा की कीमतों के नरमी के रूझान के साथ कारोबार करने की उम्मीद है। धनिया के तहत उत्पादन क्षेत्र में वृद्धि की रिपोर्ट और सामान्य फसल प्रगति के कारण बेहतर उपज की संभावनाएं बाजार के सेंटीमेंट को प्रभावित करेंगी। वर्ष 2022 में 12 दिसंबर तक गुजरात में धनिया के तहत बुआई क्षेत्र में तेजी से उछाल आया, जो पिछले वर्ष के 1.08 लाख हेक्टेयर की तुलना में 2.07 लाख हेक्टेयर दर्ज किया गया, जो कि वर्ष-दर-वर्ष 92% अधिक है। बढ़ते आयात के कारण प्रमुख व्यापारिक केंद्रों पर आपूर्ति पर्याप्त है जो खरीदारों को थोक खरीद से दूर रखे हुए है। भारत ने जनवरी 22-अक्टूबर-22 के दौरान पिछले वर्ष की समान अवधि के 4.89 हजार टन की तुलना में लगभग 22.01 हजार टन धनिया का आयात किया है। धनिया की कीमतों के 8400-9200 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है

अन्य कमोडिटीज

कमजोर मांग के कारण कॉटन (दिसंबर) की कीमतों में गिरावट की उम्मीद है। कोविड अवधि की कमी को भरपायी करने के लिए खरीदारों द्वारा जमा किए गए अधिक भंडार के कारण निर्यात ऑर्डर में गिरावट आई है। मंदी की आशंकाओं ने भी भारतीय कपड़ा और धागे की खरीदारी पर असर डाला है। ध घरेलू मिलें भी कीमतों में गिरावट का इंतजार कर रही हैं और आवश्कतानुसार ही खरीददारी कर रही हैं। कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएआई) ने केंद्र सरकार से कपास पर 11 प्रतिशत आयात शुल्क वापस लेने का आग्रह किया है ताकि कपड़ा उद्योग को किफायती कीमतों पर कच्चे माल, या या कताई की गई कपास तक पहुंचने में मदद मिल सके। भारत में सूती धागे के बढ़े हुए आयात ने भी मांग की संभावनाओं को कम कर दिया क्योंकि मिलों ने उच्च घरेलू कीमत के कारण आयातित सूती धागे को तरजीह दी। कम आपूर्ति के कारण नुकसान सीमित होगा क्योंकि इस सीजन में कपास की आवक सामान्य से कम है क्योंकि किसान आने वाले भविष्य में बेहतर कीमत की उम्मीद में अपनी उपज जारी नहीं कर रहे हैं। कीमतों को 33500 पर रेजिस्टेंस के साथ 30400 तक गिरावट की उम्मीद है।

हाजिर बाजारों में सक्रिय मांग के कारण कॉटनसीडऑयल केक (जनवरी) वायदा की कीमतों में तेजी रहने की संभावना है। आपूर्ति की कमी के कारण हाजिर मांग अच्छी है क्योंकि किसान बेहतर कीमत संभावना की उम्मीद में कपास जारी नहीं कर रहे हैं। कॉटन सीडऑयल केक के कम उत्पादन के कारण स्टॉकिस्ट सक्रिय हैं जबकि कपास की आवक धीमी रही है। कीमतों के 2600 के स्तर पर सपोर्ट रहने की संभावना है और आने वाले सप्ताह में यह 2900 की ओर बढ़ सकती है।

ग्वारसीड (जनवरी) वायदा की कीमतों के नरमी के रूझान के साथ साइडवेज कारोबार करने की संभावना है कीमतों में जोरदार तेजी के बाद किसान अपना स्टॉक जारी कर रहे हैं जिससे निकट भविष्य में ग्वार की कीमतों में गिरावट आएगी। निकट भविष्य में ग्वारसीड की कीमतों के 5600-6200 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

मेंथा ऑयल (दिसंबर) वायदा की कीमतों में तेजी के रूझान के साथ मिला-जुला कारोबार होने की संभावना है । औद्योगिक मांग बढ़ने से मेंथा मेंथा ऑयल की खरीदारी में दिलचस्पी बढ़ी है । मेंथा ऑयल के कम उत्पादन कारण आवक भी प्रभावित हुई है। कीमतों को 980 का समर्थन रहने की संभावना है और निकट भविष्य में कीमतें धीरे-धीरे 1070 तक बढ़ सकती है।

सुस्त निर्यात मांग के कारण अरंडी (जनवरी) की कीमतों में नरमी का कारोबार होने की संभावना है। कमजोर मांग की संभावनाएं और अरंडी तेल की कम निर्यात मांग से कीमतों में नरमी रहने की संभावना है, लेकिन हाजिर बाजार में आपूर्ति की कमी से बड़ी गिरावट पर रोक लग रही है। जनवरी के बाद अरंडी की नई फसल शुरू होने के कारण मिलें थोक खरीद से परहेज कर रही हैं। अरंडी की कीमतें 6900-7400 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

सर्राफा

सर्राफा की कीमतों में पूरे सप्ताह एक दायरे में उतार-चढ़ाव देखा गया और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा लंबी अवधि के लिए उच्च ब्याज दरों की उम्मीदों के दबाव में साप्ताहिक नुकसान दर्ज किया गया। फेड ने बुधवार को उम्मीद के मुताबिक ब्याज दरों में 50 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी की, लेकिन चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने कहा कि केंद्रीय बैंक अगले साल और बढ़ोतरी करेगा, भले ही अर्थव्यवस्था मंदी की ओर फिसल जाए। हाल की बढ़त के बाद छोटी अवधि के वायदा कारोबारियों द्वारा मुनाफावसूली के दबाव से सोने और चांदी की कीमतों में तेजी से गिरावट हुई है। यूरोप में केंद्रीय बैंकों ने ब्याज दर में वृद्धि की गति को धीमा करने में फेड की नीति का अनुसरण किया लेकिन एक समान कठोर संदेश दिया कि आर्थिक प्रदर्शन बिगड़ने पर भी मौद्रिक स्थिति कड़ी होती रहेगी। अक्टूबर और नवंबर में अब तक प्राप्त मुद्रास्फीति के आंकड़े मूल्य वृद्धि की गति में एक स्वागत योग्य कमी दिखाते हैं, लेकिन यह विश्वास दिलाने के लिए काफी अधिक सबूत चाहिए कि मुद्रास्फीति निरंतर नीचे की ओर है। इस बीच, एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के अनुसार भारत कर्नाटक के दक्षिणी राज्य में औपनिवेशिक युग की खदानों के एक समूह में 50 मिलियन टन संसाधित अयस्क से सोना निकालने के लिए बोली आमंत्रित करने की योजना बना रहा है। दुनिया में सोने के सबसे बड़े एक्सचेंज-ट्रेडेड-फंड, एसपीडीआर गोल्ड ट्रस्ट की होल्डिंग 0.3% बढ़कर 913.88 टन हो गई। कॉमेक्स पर सोने की कीमतों को 1810 डॉलर के पास रेजिस्टेंस का सामना करना पड़ रहा है और नीचे की तरफ 1740 डॉलर के पास सपोर्ट मिल सकता है। कॉमेक्स पर चांदी की कीमतें 21.900-24.000 डॉलर के दायरे में कारोबार कर सकती है। इस सप्ताह एमसीएक्स पर सोने में बिकवाली जारी रह सकती है जहां इसे 52800 के पास सपोर्ट मिल सकता है और 55300 के पास रेजिस्टेंस का सामना करना पड़ सकता है।

एनर्जी कॉम्पलेक्स

आपूर्ति बाधित होने की चिंताओं और चीन की मांग में सुधार की उम्मीद के बीच कच्चे तेल की कीमतें 10 सप्ताह में सबसे अधिक साप्ताहिक बढ़त दर्ज की है। लेकिन केंद्रीय बैंकों द्वारा ब्याज दर में बढ़ोतरी के बाद दोनों बेंचमार्क की कीमत में गिरावट देखी गई। कनाडा के टीसी एनर्जी कॉर्प द्वारा रिसाव और 2023 में मांग के फिर से शुरू होने की संभावना के बाद संभावित आपूर्ति की कमी से बाजार की धारणा प्रभावित हुई है। 2022 में 400,000 बैरल/दिन की कमी के बाद अगले साल चीन में तेल की मांग में सुधार को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुमानों से बाजार को बल मिला। एजेंसी ने 2023 में अपने तेल मांग में वृद्धि के अनुमान को 1.7 मिलियन बैरल/दिन बढ़ाकर कुल 101.6 मिलियन बैरल/दिन कर दिया। ओपेक वैश्विक स्तर पर तेल की मांग में इस साल 2.55 मिलियन बैरल/दिन की वृद्धि और 2023 में 2.25 मिलियन बैरल/दिन के अपने पूर्वानुमानों पर कायम रहा, और यह भी स्वीकार किया है कि चीन के शून्य-कोविड की छूट के बावजूद आर्थिक मंदी काफी स्पष्ट है। लेकिन तेल बाजार पर अभी भी नीचे की ओर दबाव बना हुआ है, जिसमें कोविड संक्रमणों की बढ़ती संख्या के कारण चीन की मांग की धीमी रिकवरी और स्वेज बाजार के पश्चिम में आपूर्ति की अधिकता शामिल है। निवेशक अब बहुत सतर्क हैं क्योंकि बाजार उतार-चढ़ाव से भरा है। आने वाले सप्ताह में कच्चे तेल में भारी उतार-चढ़ाव बना रहेगा, जहां कीमतों को 5700 के पास सपोर्ट और 6800 के पास रेजिस्टेंस रह सकता है। सपोर्ट के पास खरीदने और रेजिस्टेंस के पास बेचने की रणनीति अपनाएं। गैस भंडार में अनुमान से अधिक गिरावट और मजबूत विदेशी मांग के संकेतों के बीच नेचुरल गैस में सकारात्मक तेजी देखी गई, जो दो सप्ताह से अधिक समय में सबसे अधिक है। आने वाले सप्ताह में गैस की कीमतें तेजी के रूझान के साथ कारोबार करना जारी रख सकती हैं और 520-600 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं।

बेस मेटल

शीर्ष उपभोक्ता चीन में कोविड-19 संक्रमण बढ़ने और प्रमुख केंद्रीय बैंकों द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी से आर्थिक मंदी की आशंका बढ़ने के कारण बेस मेटल की कीमतें नरमी के रूझान के साथ साइडवेज कारोबार कर सकती हैं । यद्यपि, चीन ने संपत्ति उद्योग को मजबूत करने के लिए कुछ नीतियां पेश की हैं और बाजार के विश्वास को बढ़ावा देने के लिए अधिक से अधिक रोल आउट करने पर विचार कर रहा है, लेकिन अगले साल घरेलू विकास को बढ़ावा देने के चीन के प्रयासों को निकट अवधि में सफल नहीं होने की संभावना है। कोविड-19 मामलों में वृद्धि और व्यापक वायरस पर अंकुश लगाए जाने के कारण चीन की अर्थव्यवस्था की गति नवंबर में अधिक कम हो गई क्योंकि फैक्ट्री का उत्पादन धीमा हो गया और खुदरा बिक्री में गिरावट हुई, और दोनों आंकड़ें अनुमान से कम रहे और छह महीने में अपने सबसे खराब रहे। तांबे की कीमतें 685-715 के दायरे में कारोबार कर सकती है। दुनिया में सबसे बड़ा तांबा उत्पादक चिली के राज्य के स्वामित्व वाले कॉपर कमीशन (कोचिल्को) ने अधिक आपूर्ति के कारण 2023 में तांबे की कीमत के अनुमान को घटाकर 3.70 डॉलर प्रति पाउंड कर दिया। पेरू में, दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तांबा उत्पादक, अपने पूर्व नेता के निष्कासन से संबंधित राजनीतिक विरोध की एक लहर ने एंडियन राष्ट्र में प्रमुख खदानों के आपूर्ति मार्गों को प्रभावित किया, जिससे उत्पादन के लिए संभावित जोखिम बढ़ गया। जिंक की कीमतें 270-290 के दायरे में कारोबार कर सकती है। आपूर्ति बढने की उम्मीद और जिंक की ऊंची कीमतों के कारण हाजिर बाजारों में कम लेनदेन के बीच कीमतों में गिरावट आ सकती है। लेड की कीमतें 180-190 के दायरे में कारोबार कर सकती है। एल्युमीनियम की कीमतों के नरमी के रूझान के साथ 200-220 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है। नवंबर में चीन का प्राथमिक एल्युमीनियम उत्पादन एक साल पहले की तुलना में 9.4% बढ़ गया, क्योंकि बिजली प्रतिबंधों के कुछ कम किए जाने के कारण कुछ क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ा और नए स्मेल्टरों ने परिचालन शुरू किया। एनसीडीईएक्स पर स्टील लॉन्ग (जनवरी) की कीमतें 45200-46500 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

मंदी की आशंका और आपूर्ति की चिंता के बीच झूलता कच्चा तेल

कई देशों में मंदी की चिंताओं और दुनिया के दूसरे सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था एवं कच्चे तेल के प्रमुख आयातक चीन में धीमी वृद्धि की चिंताओं के बीच कच्चे तेल में गिरावट जारी है क्योंकि दुनिया में दो तिहाई तेल के लिए बेंचमार्क ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें जनवरी के बाद पहली बार 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे लुढ़क गई। यद्यपि बढ़ती मुद्रास्फीति का सामना करने के लिए तेल की कम कीमतें उपभोक्ताओं के लिए एक स्वागत योग्य राहत की तरह होती हैं, लेकिन रूसी कच्चे तेल और उत्पाद की आपूर्ति पर प्रतिबंध का पूरा प्रभाव देखा जाना बाकी है। रूस पर प्रतिबंधों का वैश्विक तेल की कीमतों पर प्रभाव को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। रूस से कच्चे तेल के समुद्री आयात पर यूरोपीय संघ का प्रतिबंध 5 दिसंबर को प्रभावी हुआ और पेट्रोलियम उत्पाद के आयात पर प्रतिबंध 5 फरवरी से शुरू होने वाला है।

अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी का अनुमान

अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने भारत, चीन और मध्य पूर्व में कच्चे तेल की बढ़ती खपत को देखते हुए इस वर्ष और अगले वर्ष के लिए वैश्विक स्तर पर तेल की मांग के अनुमान में वृद्धि की। आईईए को अब उम्मीद है कि 2023 में तेल की मांग 1.7 मिलियन बैरल प्रति दिन बढ़ेगी, जो इसके पिछले अनुमान 1.6 मिलियन बैरल प्रति दिन से अधिक है। इस वर्ष तेल की मांग 2.3 मिलियन बैरल प्रति दिन बढ़ेगी, जो एजेंसी के पिछले पूर्वानुमान से 140,000 बैरल प्रति दिन अधिक है।

एजेंसी ने कहा कि यूरोप और एशिया में पेट्रोकेमिकल की कमजोर गतिविधि के कारण आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) देशों में मांग अभी भी कम है।

जी 7 द्वारा रूसी तेल निर्यात पर 5 दिसंबर से लगाए गए कीमतों की सीमा से पहले नवंबर में रूस का तेल निर्यात बढ़ा। रूसा का तेल निर्यात 270,000 बैरल/दिन बढ़कर 8.1 मिलियन बैरल/दिन हो गया, जो अप्रैल के बाद सबसे अधिक है, क्योंकि डीजल निर्यात लगभग 38 प्रतिशत बढ़कर 1.1 मिलियन बैरल/दिन हो गया। लेकिन कच्चे तेल की कम कीमतों और भारी छूट के कारण तेल निर्यात से रूस का राजस्व 700 मिलियन डॉलर घटकर 15.8 बिलियन डॉलर रह गया।

सऊदी अरब और अन्य खाड़ी देशों द्वारा ओपेक+ के उत्पादन लक्ष्यों के अनुरूप आपूर्ति बंद करने के बाद पिछले महीने वैश्विक स्तर पर तेल आपूर्ति 190,000 बैरल/दिन घटकर 101.7 मिलियन बैरल/दिन हो गई। एजेंसी ने कहा कि रूसी कच्चे तेल के आयात पर यूरोपीय संघ के प्रतिबंध और जी-7 की मूल्य सीमा के कारण दिसंबर में भारी गिरावट की उम्मीद है।

ओपेक पूर्वानुमान

13 दिसंबर को, ओपेक इस वर्ष और 2023 के लिए तेल की मांग में वृद्धि के अपने पूर्वानुमान पर अड़ा रहा। 2023 में विश्व स्तर पर तेल की मांग 2.25 मिलियन बैरल प्रति दिन, या लगभग 2.3% बढ़ जाएगी। ओपेक ने कहा कि कोविड रोकथाम उपायों से प्रभावित चीन की ओर से तेल की मांग 2022 में औसतन 14.79 मिलियन बैरल/दिन होगी, जो 2021 से 180,000 बैरल/दिन कम होगी।

तेल उत्पादक समूह को उम्मीद है कि इस साल विश्व स्तर पर अर्थव्यवस्था 2.8 प्रतिशत बढ़ेगी, जो 2.7 प्रतिशत की वृद्धि के पिछले अनुमान से अधिक है। 2023 में वैश्विक आर्थिक विकास पूर्वानुमान 2.5 प्रतिशत पर बना रह सकता है।

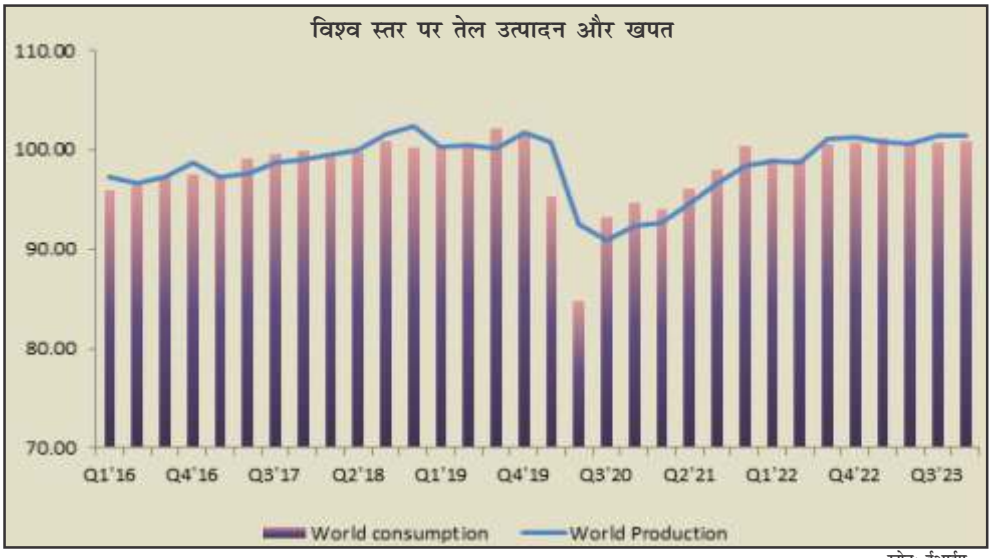

स्रोत: ईआईए

इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल फाइनेंस के अनुसार, यूक्रेन संघर्ष और विश्व अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव के परिणामस्वरूप वैश्विक आर्थिक विकास-2009 में वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान की तरह-के कमजोर रहने का अनुमान है।

उच्च मुद्रास्फीति, प्रमुख केंद्रीय बैंकों द्वारा मौद्रिक सख्ती और कई क्षेत्रों में अधिक सॉवरेन ऋण स्तर सहित कई चुनौतियों के कारण वैश्विक आर्थिक विकास को लेकर मंदी का जोखिम बना हुआ हैं। इसके अलावा, सर्दियों के दौरान भू-राजनीतिक जोखिम और कोविड-19 महामारी की गति अनिश्चित बनी हुई है। लेकिन, पूर्वी यूरोप में भू-राजनीतिक संघर्ष का समाधान होने और चीन की शून्य-कोविड नीति में ढील से कुछ रिकवरी की संभावना बन सकती है।

एसएमसी रिसर्च डेस्क

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com

Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402 , 4th Floor , Graham Firth Steel Compound, Off Western Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon (East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवायें और संबंधित सेवायें करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई(मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमट्रेड नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएक्स स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य हैं। एसएमसी सीडीएसएल(CDSL) और एनएसडीएल(NSDL)के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है । एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई(AMFI) में भी रजिस्टर्ड है ।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनॉलिस्ट)रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनॉलिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिक्योरिटीज मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नही किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनॉलिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्त्रोतों, जिन्हे सत्य माना जाना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नही देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें । रिसर्च एनॉलिस्ट, जिन्होने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

डिसक्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्त्ता की व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नही हैं । यह केवल प्राइवेट सर्कुलेशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विश्वस्त सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नही और इस पर पूरी तरह भरोसा नही किया जाना चाहिए । रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नही किया जा सकता है । इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुन: वितरण नही किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए । यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नही करता या किसी खास निवेश उदेश्य, वितीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉरपोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नही चलता है । सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते है एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारन्टी नही देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए ।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है । सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा ।